(ख) क्या वर्ष 1978-79 के लिए उत्पादन लक्ष्य 32 लाख टन है परन्तु उत्पादन 26 लाख टन होने की संभावना है; और

(ग) यदि हां, तो उस गिरावट के क्या कारण हैं और इसमें कब तक सुधार किया जायेगा और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) जी, नहीं। कमी बहुत मामूली थी क्योंकि 3.118 मिलियन मी० टन के निर्धारित उत्पादन लक्ष्य की तुलना में किया गया उत्पादन 3.06 मिलियन मी० टन था। यह उपलब्धि 98 प्रतिशत है।

(ख) वर्ष 1978-79 में उत्पादन का निर्धारित लक्ष्य 3.3 मिलियन मी० टन था जब कि शोधनशाला 2.66 मिलियन मी० टन उत्पादन स्तर प्राप्त करने की आशा रखती है।

(ग) बरौनी शोधनशाला में चालू वर्ष मे उत्पादन की कमी मुख्यत. श्रमिक अशान्ति के कारण हुई। इसके अलावा सितम्बर/अक्टूबर, 1978 में पूर्वी क्षेत्र में भारी वर्षा तथा बाढ़ के कारण एल० एस० एच० एस० की कम ढुलाई के फलस्वरूप शोधनशाला के उत्पादन पर भी असर पड़ा। औद्योगिक सम्बन्धों की समस्याओं को हल करने के लिए संघ के प्रतिनिधियों से अधिकारी तथा मंत्री स्तरों पर चर्चा की गई। इसके परिणामस्वरूप शोधनशाला मे सामान्य स्थिति स्थापित हो गई और अब वहां निर्धारित क्षमता पर कार्य संचालन हो रहा है। वास्तव में दिसम्बर, 1978 और जनवरी, 1979 का उत्पादन इन महीनों के निर्धारित लक्ष्य से अधिक था।

सातवें फिल्म समारोह की ज्यूरी के चेयरमैन के विचार

*217. **श्री हर गोविन्द वर्मा :**
श्री एदुआर्दो फैलीरो :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवें फिल्म समारोह के आयोजनों के सम्बन्ध में ज्यूरी के चेयरमैन द्वारा व्यक्त किये गये विचारों का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) इन पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) ज्यूरी के अध्यक्ष श्री ओसमाने सेम्बेने ने भारत के 7वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के आयोजकों के बारे में कोई विचार व्यक्त नहीं किए।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

डीजल और मिट्टी के तेल की कमी

*218. **श्री लक्ष्मी नारायण नायक :**
श्री भारत सिंह चौहान :

क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नवम्बर, दिसम्बर, 1978 और जनवरी, 1979 में देश भर में डीजल तथा मिट्टी के तेल की भारी कमी हुई थी जबकि किसानो को उस समय फसलो की बुवाई एवं सिंचाई कार्यों के लिए डीजल की बहुत अधिक आवश्यकता थी ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण है; और

(ग) सरकार द्वारा इस बात को सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रबन्ध किये जा रहे है कि किसानों को डीजल तथा मिट्टी का तेल आसानी से मिले ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) नवम्बर तथा दिसम्बर, 1978 और जनवरी, 1979 के दौरान देश के कुछ भागो में, कुछ पेट्रोल पम्पो पर डीजल तथा मिट्टी के तेल की थोड़े समय के लिए कमी हुई।

(ख) अस्थायी कमी विभिन्न तत्वो के कारण हुई। समय-समय पर बम्बई तथा कांडला पत्तन में श्रमिक समस्याओं एवं अड़चनों के परिणामस्वरूप उत्पाद के संचालन में गड़बड़ी आ गई थी। श्रमिक तथा तकनीकी समस्याओं के कारण बरौनी तथा कोयाली शोधनशाला की उत्पादन योजना में कुछ गिरावट आयी। कुछ अवसरों पर रेलवे का माल ढोने का कार्य भी लक्ष्य से नीचे गिर गया। तथापि, अस्थायी कमी के लिए सबसे बड़ा कारण इन उत्पादो विशेष कर डीजल के लिए बढ़ती हुई मांग दर थी वह भी उस समय जब कि ईरान से परम्परागत सप्लाई किये जाने वाले अशोधित तेल और उत्पादों को प्राप्त करने में बहुत कठिनाई थी।

(ग) सरकार ने अशोधित तेल तथा उत्पादों की समय पर पर्याप्त मात्रा में आयात करने के सम्बन्ध में और शोधनशाला को अपनी पूर्ण क्षमता के साथ कार्य करने के सम्बन्ध में सभी आवश्यक कदम उठाये हैं तथा भविष्य में भी ऐसा करती रहेगी। अशोधित तेल और उत्पादो के संचालन में किसी प्रकार की रुकावट न आने पाये इस हेतु जहाजरानी एवं परिवहन मंत्रालय और रेलवे के बीच बहुत निकट का संपर्क स्थापित किया गया है। ईरान द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन और निर्यात के पुन: प्रारम्भ करने के परिणामस्वरूप अशोधित तेल और उत्पादों के के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार स्थिर हो जाने पर स्थिति सामान्य होने की आशा की जाती है। इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की आशा की जाती है।